an>

Title: Need to build toilets in all the villages situated near Ganga and its tributaries.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): माननीय अध्यक्षा जी, गंगा अनादि काल से मानव जीवन के लिए जीवनदायिनी और प्रेरणा का स्रोत रही है। गंगा जीवन है, लेकिन आज गंगा प्रदूÂि◌ात हो रही है। गंगा का जल अमृत है और इसकी एक बूंद हजारों-लाखों व्याधियों से लड़ने की क्षमता रखती है। आज गंगा लगभग 46 जिलों से होकर गुजर रही है। 15 लाख शौचालय विहीन घर हैं, ऐसी स्थिति में गंगा के जितने भी तट हैं, वहां पीने के पानी की गुणवत्ता गिर रही है। पीने का सही पानी नहीं है, क्योंकि उसमें सीवरेज गिर रहा है। यह स्वास्थ्य के विरुद्ध भी है, इसलिए स्थानीय निकाय और पंचायतों के साथ मिल कर निजी क्षेत्र की सहायता से शौचालय विहीन क्षेत्रों में युद्ध स्तर पर शौचालय बनाए जाएं। इसके अलावा गुणवत्ता नियंत्रण केन्द्र बनाए जाएं, जिससे गंगा का जल स्वच्छ और पवित्र रखा जा सके।

माननीय अध्यक्ष : श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, डॉ. किरिट पी. सोलंकी, श्री पी.पी.चौधरी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र को डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा उठाए गए विÂ◌ाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री संतोख सिंह चौधरी।

श्री अधीर रंजन चौधरी।

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR): Madam, the House is acquainted with the horrific episode that took place in West Bengal in the run-up to the local Municipal and Corporation elections....(*Interruptions*)

HON. SPEKAER: No. I am sorry. You have asked for urgent electoral reforms. You should raise only that issue.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Dr. Virednra Kumar. Nothing will go on record.

...(*Interruptions*)*â€¦ □*

HON. SPEAKER: It is all right. Nothing will go on record.

...(*Interruptions*)*â€¦ **

HON. SPEAKER: Nothing is going on record.

...(*Interruptions*)*â€¦ **

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : अध्यक्ष जी, मैं ईंट भट्ठों पर काम करने वाले मजदूरों की कठिनाइयों के संबंध में सदन का ध्यान आकर्Âि◌ात करना चाहता हूं।...(व्यवधान) आज विकास की अंधी और भौतिक दौड़ में ईंट और पत्थर के विशालकाय जंगल खड़े होते चले जा रहे हैं...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अधीर रंजन जी, बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग कृपया करके बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I am sorry Virendra ji, Santokh ji is there. संतोख जी आप नाम बुलाने पर खड़े नहीं हुए थे।